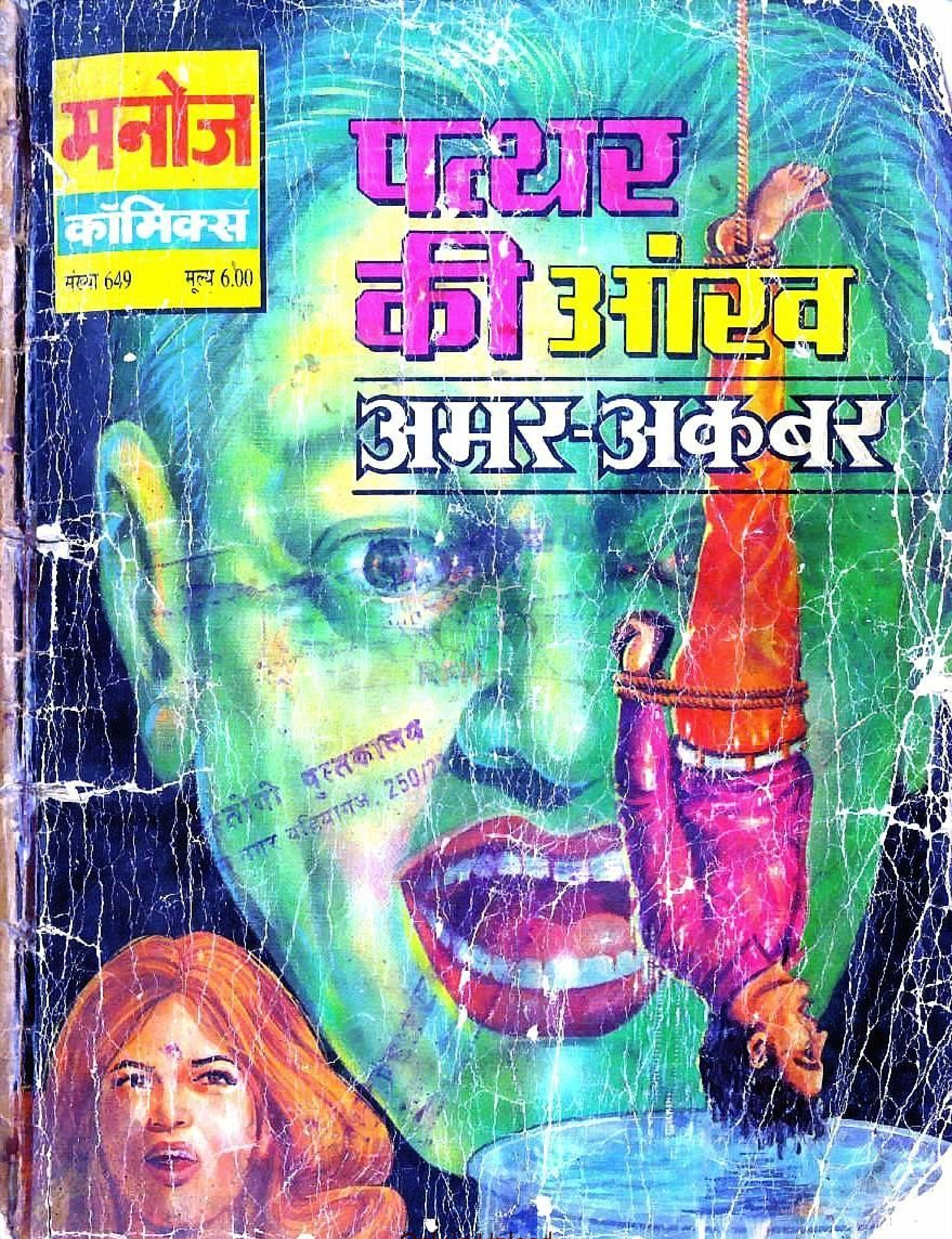

मनोज
कॉमिक्स
संख्या 649
मूल्य 6.00
पत्थर की आँख
अमर-अकबर

पत्थर की आंख

लेखक: अंसार अख्तर

चित्रांकन: चव्हाण





फिर तो मैं आपसे पार्टी में चलने की जिद नहीं करूंगी। आप घर पर ही रुकिए, मैं पप्पू को लेकर चली जाती हूं।
हां, यह ठीक है।
पप्पू, प्रोफेसर का दस वर्षीय बेटा था।
दोनों पति-पत्नी को पता नहीं था कि उनका स्थानीय नौकर चाऊशी दरवाजे से कान लगाए उनकी बातें सुन रहा था।
प्रोफेसर आज रात कैप्सूल भारतीय एजेण्ट को सौंप देगा।
रजनी को कमरे से बाहर आते देखकर चाऊशी गमला साफ करने का दिखावा करने लगा।
क्या कर रहे हो चाऊशी?
यह गमला बहुत गंदा हो गया था मैडम! चमका रहा हूं।
चाऊशी! मैं और पप्पू पार्टी में जा रहे हैं। साहब घर पर ही रहेंगे। उनके लिए डिनर तैयार कर देना।
यस मैडम!
कुछ देर बाद रजनी और पप्पू तैयार होकर पार्टी में चले गये। चाऊशी किचन में था।
मुझे अपार्टमेंट से बाहर जाकर बॉस को फोन पर सूचना देनी होगी कि कैप्सूल आज रात जा रहा है।
प्रोफेसर लाइब्रेरी में बैठे थे।
सर। कॉफी खत्म हो गई है। मैं मार्केट से ले आऊं।
हां, ले आओ।


चाऊशी अपार्टमेंट से बाहर आ गया। प्रोफेसर का अपार्टमेंट एक मल्टी स्टोरी बिल्डिंग के बारहवें फ्लोर पर था।
बॉस इस वक्त क्लब में होगा।
चाऊशी नीचे जाने के लिए लिफ्ट में सवार हुआ। ठीक उसी समय दूसरी लिफ्ट ऊपर आकर रुकी।
लिफ्ट से भारतीय सीक्रेट सर्विस का एजेण्ट बाहर निकला था।
वह सामने प्रोफेसर का फ्लैट है।
दस्तक देने पर प्रोफेसर ने दरवाजा खोला।
यस!
सर! मुझे मिस्टर सिल्वरमैन की तलाश है। क्या आप ही सिल्वरमैन हैं?
एजेण्ट ने कोड वाक्य बोलकर अपनी पहचान कराई थी।
प्रोफेसर ने उसके लिए भीतर आने का रास्ता छोड़ दिया।
आप ठीक जगह आये हैं मिस्टर! आइये।
थैंक्स!
ड्राइंगरूम में आकर प्रोफेसर ने उसके चेहरे की ओर ध्यान से देखा।
इसकी एक आंख नकली है। मुझे यही बताया गया था कि कैप्सूल लेने आने वाले एजेण्ट की एक आंख पत्थर की होगी।



क्या आप अपना वास्तविक परिचय देने का कष्ट करेंगे?
मैं एजेण्ट वन-वन थ्री हूं सर! वैसे मेरा नाम हर्षवर्धन है।
ओ.के. मिस्टर हर्षवर्धन! मुझे विश्वा हो गया है कि मैं ठीक आदमी से मिल रहा हूं। यह लीजिए, इस डिबिया में वह कैप्सूल है, जिसे आपने सुरक्षित भार पहुंचाना है।
हर्षवर्धन ने डिबिया खोलकर देखी।
कैप्सूल भी चांदी का है।
जी हां।
हर्षवर्धन ने डिबिया बंद करके जेब में रख ली।
ओ.के. प्रोफेसर! अब मैं चलता हूं। कैप्सूल भारत रवाना करने के बाद आपको सूचना दूंगा।
बाई दी वे, अगर कभ मैं आपसे मिलना चाहूं तो कहां मुलाकात हो सकती है?
हम लोग अपना पता किसी को नहीं बताते सर! लेकिन आपका मामला स्पेशल है, इसलिए मैं आपको अपने फ्लैट का पता बता देता हूं।
अपना एड्रेस बताकर हर्षवर्धन चला गया।
उसके जाने के कुछ देर बाद चाऊशी कॉफी खरीद कर वापस आ गया।
कॉफी ले आए? जरा जल्दी से एक कप कॉफी तैयार कर दो।
यस।


चाऊशी कॉफी तैयार करके लाया। तभी दरवाजे की घण्टी बजी।
ट्रिन... ट्रिन...
देखो कौन है?
चाऊशी ने जाकर दरवाजा खोला।
कहां है वह?
ड्राइंगरूम में।
चारों धड़धड़ाते हुए ड्राइंगरूम में घुस गये।
अरे! कौन हैं आप लोग?
उत्तर देने की बजाय चारों ने झपटकर प्रोफेसर को पकड़ लिया।
यह...यह क्या बदतमीजी है? चाऊशी, पुलिस को फोन करो।
हा-हा-हा!
सॉरी सर! मैं आपके आदेश का पालन नहीं कर सकूंगा, क्यों कि मैंने ही फोन करके इन लोगों को बुलाया है।
तुमने! क्यों?
हम वह माइक्रोफिल्म कैप्सूल लेने आए हैं प्रोफेसर, जिसे तुम आज रात किसी भारतीय जासूस को देने वाले हो।
ओह! तो तुम वही शत्रु हो, जिनकी ओर से मुझे सावधान रहने को कहा गया था और चाऊशी तुम भी...!


शटअप प्रोफेसर। काम की बात करो। वह कैप्सूल कहां है?
जहां उसे होना चाहिए। कुछ देर पहले ही मैं कैप्सूल भारतीय एजेंट को सौंप चुका हूं।
यह झूठ बोल रहा है। वह एजेण्ट कैप्सूल लेने रात में किसी समय आएगा।
हां। उसे रात में आना था, लेकिन वह पहले ही आ गया था। उस समय तुम काफी खरीदने मार्केट गये हुए थे नमकहराम चाऊशी।
यह झूठ बोल रहा है।
इसकी जुबान खुलवानी होगी।
इसे बेडरूम में ले चलो।
कुछ देर बाद प्रोफेसर अपने ही बेडरूम में बिस्तर पर बंधा पड़ा था।
हमें वह कैप्सूल चाहिए प्रोफेसर! अगर जान प्यारी है तो कैप्सूल दे दो, वरना मैं इस तेज चाकू से तुम्हारे शरीर की सारी खाल छील-छीलकर उतार दूंगा।
मैं कह चुका हूं कि कैप्सूल वह एजेण्ट ले गया है।
कौन था वह एजेण्ट, उसका पता बताओ?


मैं उसका पता नहीं जानता।
तो तुम शराफत से नहीं मानोगे प्रोफेसर!
यह लो।
आई...ई...ई!
आधे घण्टे तक वह निर्दयता से प्रोफेसर को टॉर्चर करते रहे, लेकिन प्रोफेसर से कुछ भी पूछने में असफल रहे।
मुझे कुछ नहीं पता ...क... कुछ नहीं...आह...!
तभी दरवाजे की घण्टी बजी।
कौन आया?
ट्रिन...ट्रिन
प्रोफेसर की पत्नी और बेटा पार्टी से वापस आए होंगे।
पत्नी और बेटा। गुड, उन्हें यहां ले आओ चाऊशी।
नहीं चाऊशी, वह दोनों निर्दोष हैं। आह!
चाऊशी मुस्कराता हुआ बाहर चला गया।
एक मिनट बाद ही रजनी और पप्पू चाऊशी के साथ भीतर प्रविष्ट हुए।
पापा!
ई...ई...ई...।


दो गुण्डे उनकी ओर झपटे।
आह!
उफ!
बांध दो इन्हें भी।
कुछ देर बाद वह दोनों भी रस्सियों से जकड़े फर्श पर पड़े थे।
अब बोलो प्रोफेसर! पहले पत्नी को मरते देखना चाहोगे या बेटे को?
दया करो, प्लीज, इन्हें छोड़ दो।
लेकिन उन बदमाशों के हृदयों में दया नामक चीज नहीं थी। उन्होंने मासूम पप्पू और रजनी को टॉर्चर करना शुरू कर दिया।
नहीं, मैं यह नहीं देख सकता।
आई... ई...!
पापा!
अभी तो तुम्हें बहुत कुछ देखना पड़ेगा प्रोफेसर
और जब एक बदमाश ने पप्पू की गर्दन पर छुरा रखा तो प्रोफेसर का साहस टूट गया।
ठहरो, मेरे बच्चे की जान मत लेना। मैं सब कुछ बताने के लिए तैयार हूं।
अब आए न रास्ते पर। बोलो, कौन था वह एजेण्ट, जिसको तुमने कैप्सूल दिया है?
एजेण्ट वन-वन-थ्री। उसका नाम हर्षवर्धन है और पता...।
प्रोफेसर ने विवश होकर सच बता दिया।


और सबकुछ जानने के बाद—
अब हमें तुम्हारी कोई जरूरत नहीं है प्रोफेसर!
धांय
धांय
धांय
अब हमें यहां से जल्दी निकल चलना चाहिए।
तुम हमारे साथ नहीं जाओगे चाऊशी। इस हत्याकाण्ड के बाद पुलिस सबसे पहले तुम्हारी ही खोज करेगी। हम कोई खतरा मोल नहीं ले सकते।
क्या मतलब ?
धांय
आह!
अब चलो यहां से, उस पत्थर की आंख वाले एजेण्ट वन-वन थ्री से निपटते हैं।
शायद वह अपने फ्लैट पर ही मिल जाये।
रात का एक बजा था। सिंगापुर के एक होटल के कमरे में अमर खन्ना किसी की प्रतीक्षा कर रहा था।
अब तक एजेण्ट वन-वन थ्री को कैप्सूल लेकर आ जाना चाहिए था।

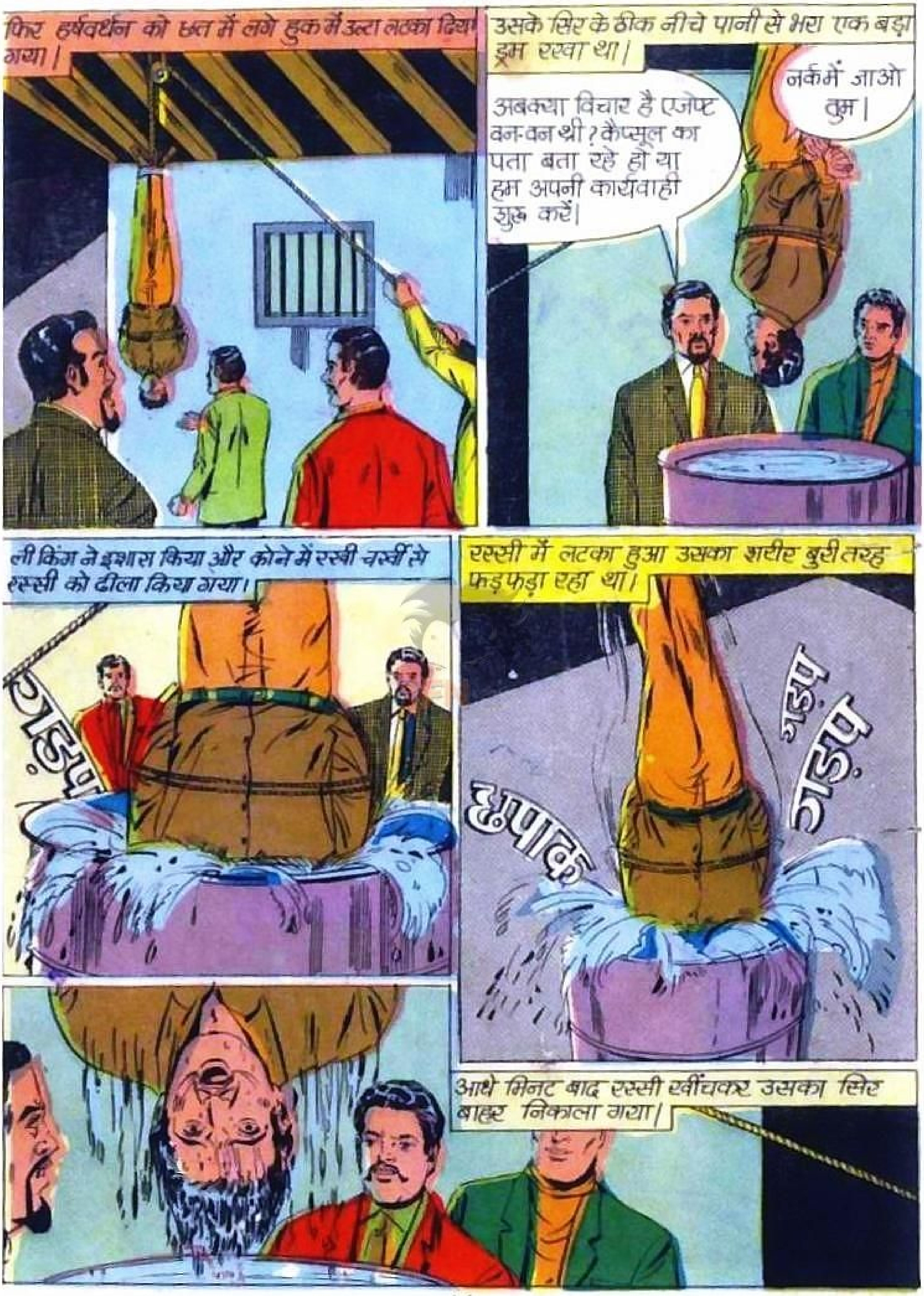

तभी–
आ गया!
ठक्क, ठक्क
दरवाजा खोलकर वह चौंक पड़ा!
अरे!
यस प्लीज!
यह तो वह नहीं है।
एजेण्ट वन-वन थ्री का अपहरण हो गया है मिस्टर अमर!
क्याऽऽऽ? लेकिन तुम कौन हो और मुझे कैसे जानती हो?
पहले मुझे भीतर तो आने दीजिए, फिर सबकुछ बताती हूं।
आओ।
वह भीतर आकर सोफे पर बैठ गई।
मेरा नाम ली चुंग है मिस्टर अमर! हर्षवर्धन मेरे अपार्टमेंट में ही किराएदार था। हम दोनों आपस में प्रेम करते हैं। अभी एक घण्टा पहले चार बदमाशों ने उसका अपहरण कर लिया है।
यह तो तुम पहले भी बता चुकी हो, मगर मैं यह जानना चाहता हूं कि तुम मुझे कैसे जानती हो?
आपके बारे में मुझे हर्षवर्धन ने बताया था।


क्या बताया था?
यही कि आप भारतीय प्राइवेट जासूस हैं और सीक्रेट सर्विस ने आपको यहां एक महत्त्वपूर्ण काम के लिए भेजा है। हर्षवर्धन को कहीं से एक माइक्रो फिल्म कैप्सूल प्राप्त करके आपको सौंपना था।
ओह! तुम तो सबकुछ जानती हो।
यह सब बातें मुझे हर्षवर्धन ने आज शाम ही बताई थीं। उसने वह कैप्सूल प्राप्त भी कर लिया था, लेकिन उसे खतरा था कि कुछ लोग उससे कैप्सूल छीनने की कोशिश कर सकते हैं, इसलिए....
...उसने मुझे आपके विषय में बताकर कहा था कि अगर उसे कुछ हो जाये तो मैं इसकी सूचना आप तक पहुंचा दूं।
अब मैं समझ गया। क्या उसका अपहरण तुम्हारे सामने हुआ था?
हां, मैं उस समय हर्षवर्धन के साथ बेडरूम में थी, जब वह चार गुण्डे वहां आए। उन्होंने हर्ष को बेहोश कर दिया और उठाकर ले गये। मुझे उन्होंने स्थानीय कालगर्ल समझा था, इसलिए मेरी ओर ध्यान नहीं दिया और सिर्फ यह धमकी देकर चले गये कि मैं इस घटना का जिक्र किसी से न करूं।
यह तो बहुत बुरा हुआ। क्या वह कैप्सूल हर्ष के पास ही था?
यह तो मुझे नहीं पता, लेकिन गुण्डों को वह कैप्सूल फ्लैट से नहीं मिला है। उन्होंने एक-एक इंच जगह की तलाशी ली थी। वह बहुत खतरनाक गुण्डे हैं मिस्टर अमर। मुझे हर्ष की बहुत चिंता हो रही है।
गुण्डे खतरनाक थे? क्या तुम उनको जानती हो?
जानती तो नहीं, लेकिन उनमें से दो को मैंने यहां के मेकाडो क्लब में कई बार देखा है। मेकाडो क्लब का मालिक ली किंग बहुत खतरनाक बदमाश है।



मेकाडो क्लब। ली किंग। तुमने तो मुझे बहुत महत्त्वपूर्ण बात बता दी ली चुंग। अब तुम जाओ। मैं हर्ष को तलाश करने की कोशिश करूंगा।
अगर आप कहें तो मैं पुलिस में रिपोर्ट कर दूं?
अमर ने उसे रिपोर्ट करने के लिए मना कर दिया और सांत्वना देकर वापस भेज दिया।
एजेण्ट वन-वन थ्री सचमुच ली किंग नामक खतरनाक बदमाश की कैद में था।
पहले मैं तुमसे अपना परिचय कराना चाहता हूं एजेण्ट वन-वन थ्री। मेरा नाम ली किंग है।
मैं तुम्हें जानता हूं ली किंग। किसी भी देश के खुफिया राज चुराकर उसके दुश्मन देश को वह राज बेचना तुम्हारा धंधा है। तुम अन्तर्राष्ट्रीय अपराधी हो।
प्रशंसा के लिए धन्यवाद। फिर तो तुम यह भी जानते होगे कि मैंने तुम्हारा अपहरण किसलिए कराया है?
यह मैं नहीं जानता। शायद तुम्हें कोई गलतफहमी हो गई है।
शटअप! एजेण्ट वन-वन थ्री ऑफ इण्डियन सीक्रेट सर्विस, मुझे कोई गलतफहमी नहीं हुई है। मुझे वह माइक्रोफिल्म चाहिए, जो तुमने प्रोफेसर चतुर्वेदी से हासिल की है।
कौन-सी फिल्म?


धाड़
उफ!
धड़ाम
ज्यादा चालाक बनने वाले व्यक्ति पर ली किंग दया नहीं करता। मुझे वह फिल्म चाहिए। बताओ, कहां है वह कैप्सूल?
मेरे पास नहीं है।
यहां तक तो यह सच बोल रहा है बॉस! हम इसकी तलाशी ले चुके हैं। इसके कपड़ों में या शरीर पर वह कैप्सूल नहीं है. और हमें इसके फ्लैट से भी वह कैप्सूल नहीं मिला।
फिर वह कैप्सूल कहां गया?
यही जानता होगा।
एजेण्ट वन-वन थ्री, अगर जीवित रहना चाहते हो तो वह कैप्सूल हमें दे दो।
मेरे पास कोई कैप्सूल नहीं है ली किंग! और यह भी सुन लो कि मैं मौत से नहीं डरता हूं।
अभी पता चल जायेगा। कुछ देर बाद तुम मौत से भी डरने लगोगे और मुझसे भी!


फिर हर्षवर्धन को छत में लगे हुक में उल्टा लटका दिया गया।
उसके सिर के ठीक नीचे पानी से भरा एक बड़ा ड्रम रखा था।
अबक्या विचार है एजेंट वन-वन थ्री? कैप्सूल का पता बता रहे हो या हम अपनी कार्यवाही शुरू करें।
नर्कमें आओ तुम।
ली किंग ने इशारा किया और कोने में रखी चर्खी से रस्सी को ढीला किया गया।
गड़प
रस्सी में लटका हुआ उसका शरीर बुरी तरह फड़फड़ा रहा था।
गड़प
गड़प
छपाक
आधे मिनट बाद रस्सी खींचकर उसका सिर बाहर निकाला गया।


अब बोलो।
मुझे कुछ नहीं पता।
डुबो दो फिर से।
छपाक
गड़प गड़प
मैं कैप्सूल के बारे में कुछ भी नहीं जानता।
नीचे उतार लो, इसका मुंह खुलवाने के लिए कोई दूसरी तरकीब सोचनी होगी।
राजेश्वर वन-वन थी भी अपनी बात का पक्का था। उससे कुछ भी नहीं जान सका।
हर्ष को नीचे उतारकर फिर से कुर्सी पर बांध दिया गया।
फिलहाल इसे नशे का इंजेक्शन लगाकर बेहोश कर दो, ताकि यह फरार होने की कोशिश न कर सके। कल मैं इससे फिर बात करूंगा।

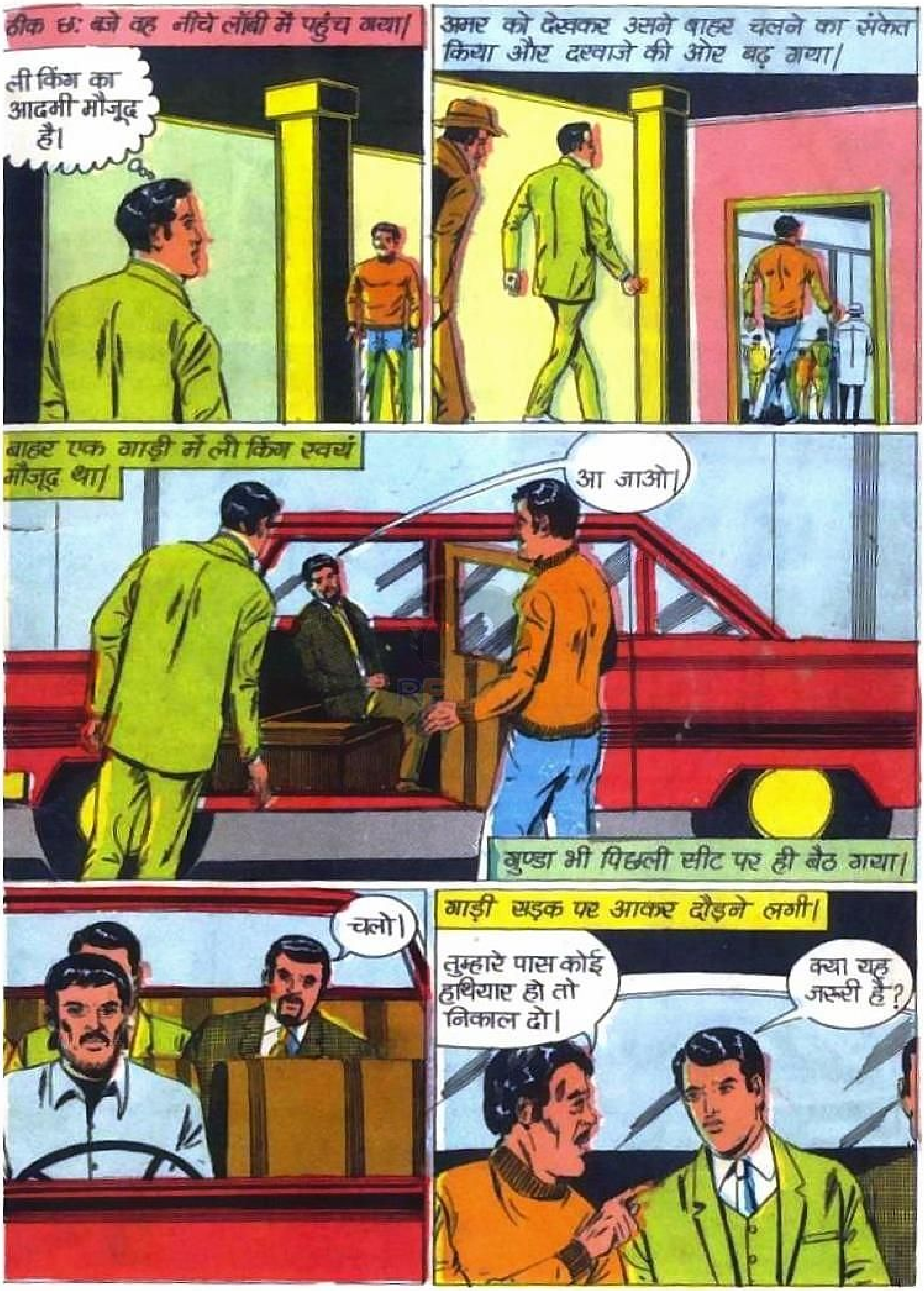

दूसरे दिन शाम को अमर मेकाडो क्लब में प्रविष्ट हुआ।
ली किंग से मिलकर साफ-साफ बात करनी चाहिए।
वह सीधा काउण्टर पर पहुंचा।
मुझे ली किंग से मिलना है।
क्या काम है?
मैं उन्हें एजेण्ट वन-वन थ्री के विषय में कुछ बताना चाहता हूं। मेरा नाम अमर खन्ना है।
काउण्टर क्लर्क ने तुरन्त इन्टरकॉम उठाकर ली किंग से बात की।
दो मिनट बाद—
चलो, बॉस तुम्हें बुला रहा है।
ली किंग अपने ऑफिस में बैठा था।
गुड ईवनिंग मिस्टर ली किंग!

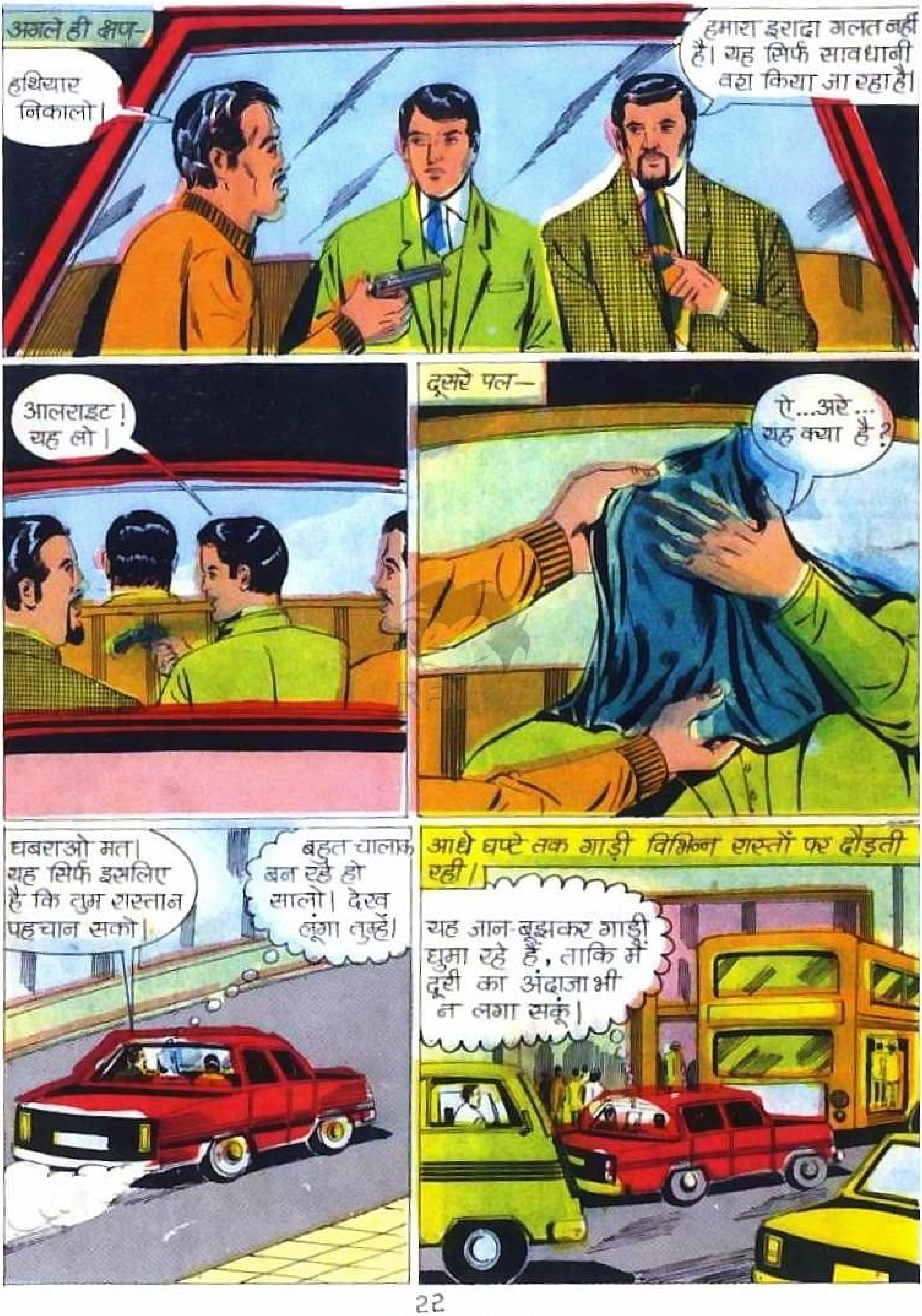

मेरे आदमी ने बताया है कि तुम्हारा नाम अमर खन्ना है और तुम किसी एजेण्ट वन-वन थ्री की बात कर रहे थे?
यस मिस्टर किंग! मैं उस एजेण्ट वन-वन थ्री के विषय में बात करना चाहता हूं, जो शायद आपकी कैद में है।
गुण्डे ने पिस्तौल अमर की ओर ताना।
बॉस! यह खतरनाक आदमी है, शूट कर दूं।
नहीं, मुझे इस तरह साफ बात करने वाले लोग अच्छे लगते हैं।
थैंक्स मिस्टर ली किंग! एजेण्ट वन-वन थ्री क्या सचमुच आपकी कैद में है?
मैं किसी वन-वन थ्री को नहीं जानता।
तो फिर आपसे बात करनी बेकार है। मैं वापस जाता हूं, लेकिन अगर कभी वह एजेण्ट आपको मिल जाए तो मैं उसे आपसे खरीदने के लिए तैयार हूं।
ठहरो, क्या तुम भारतीय जासूस हो?
भारतीय भी हूं और जासूस भी, लेकिन सरकारी जासूस नहीं। मैं एक प्राइवेट जासूस हूं और मेरा धंधा भी लगभग वही है, जो आपका है। फर्क सिर्फ इतना है कि मैं कमीशन एजेण्ट के रूप में काम करता हूं।


क्या मतलब?
मतलब यह कि अगर कोई व्यक्ति किसी महत्त्वपूर्ण चीज को या राज को किसी देश की सरकार को बेचना चाहता है और खुद परदे में रहना चाहता है तो मैं उसके लिए मध्यस्तता का काम करता हूं। सौदा हो जाने पर अपना कमीशन दोनों ओर से वसूल कर लेता हूं।
काफी चालाक हो तुम। मुझसे क्या चाहते हो?
एजेण्ट वन-वन थ्री के कब्जे में एक माइक्रोफिल्म थी, जो अब अवश्य ही तुम्हारे पास होगी। मैं वह फिल्म भारत सरकार के लिए खरीदना चाहता हूं। उस फिल्म का दाम भारत सरकार से ज्यादा कोई नहीं दे सकता।
आलराइट मिस्टर अमर! मैं तुमसे खुलकर बात करने के लिए तैयार हूं। एजेण्ट वन-वन थ्री मेरी कैद में है, लेकिन उसने फिल्म मुझे नहीं दी है। न ही वह फिल्म का पता बताने के लिए तैयार है।
इस स्थिति में भी मैं एजेण्ट वन-वन थ्री को खरीदने के लिए तैयार हूं।
तुम?
मेरा मतलब भारत सरकार से है। तुम कीमत लेकर एजेण्ट वन-वन थ्री को मेरे हवाले कर दो। बोलो, कितनी कीमत चाहिए।
दो करोड़ अमेरिकन डॉलर।
ठीक है। मैं भारत सरकार तक तुम्हारी मांग पहुंचा दूंगा, लेकिन इससे पहले मैं एक बार एजेण्ट वन-वन थ्री को अपनी आंखों से देखना चाहता हूं।


क्यों?
ता कि मुझे विश्वास हो जाए कि मैं सही आदमी का सौदा कर रहा हूं। एजेण्ट वन-वन थ्री को अपनी आंखों से देखकर ही मैं भारत सरकार से बात करूंगा।
ली किंग कुछ क्षण सोचता रहा। फिर—
आलराइट, मुझे सोचने के लिए थोड़ा समय दो। दो दिन के बाद मैं तुम्हें बता दूंगा कि मेरा क्या इरादा है?
ओ.के.! मैं होटल ड्रेगर के रूम नम्बर सिक्स में ठहरा हुआ हूं। तुम मुझे वहां फोन कर सकते हो।
फिर अमर होटल वापस आ गया।
दाना तो डाल आया हूं। यह देखना है कि चिड़िया चोंच मारती है या नहीं। बस, एक बार यह पता चल जाये कि उसने हर्ष को कहां कैद कर रखा है? उसके बाद सब ठीक हो जायेगा।
अमर को पूरे दो दिन प्रतीक्षा करनी पड़ी। तीसरे दिन सुबह ली किंग का फोन आ गया।
मिस्टर अमर! आज शाम छः बजे तैयार रहिएगा। मेरा आदमी आपको लेने आएगा।
यानी तुम मुझे एजेण्ट वन-वन थ्री के दर्शन कराने के लिए तैयार हो गये हो?
हां। तुम ठीक छः बजे अपने कमरे से निकलकर नीचे लॉबी में आ जाना। मेरा आदमी वहीं मिलेगा।
निर्देश देकर ली किंग ने फोन बंद कर दिया।

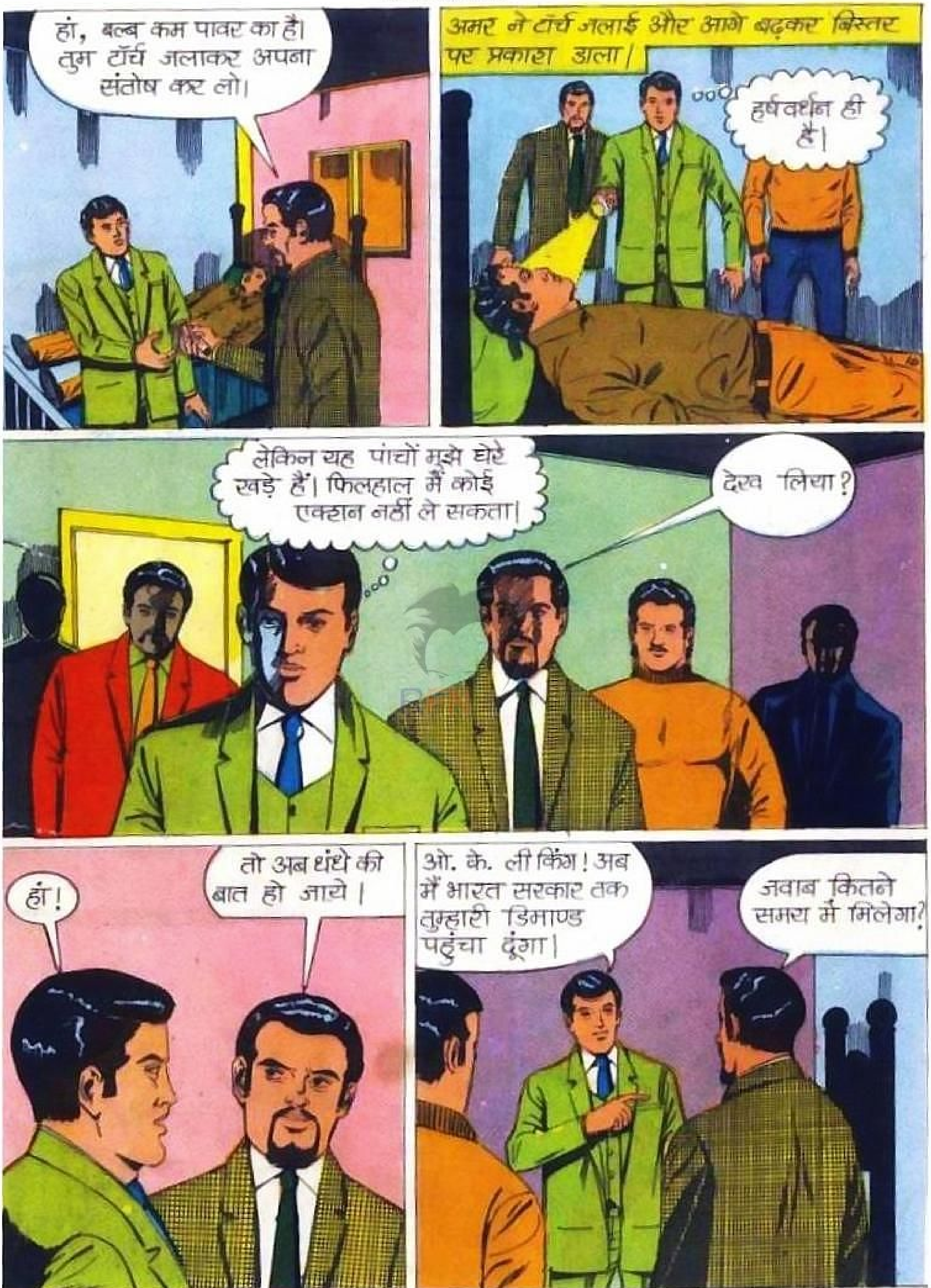

शाम पांच बजे अमर ने अपनी तैयारी शुरू कर दी।
यह छोटा पिस्तौल कठिन समय में बहुत काम आता है।
दूसरा पिस्तौल उसने टांग पर घुटने से कुछ ऊपर रबड़ बैंड की मदद से बांध लिया।
हाथ पर कोहनी के निकट एक तेज धार वाला खंजर छुपाया।
खंजर भी काम आ सकता है।
तीसरा पिस्तौल होलेस्टर में रखकर बगल में लटकाया।
अगर उन्होंने तलाशी ली तो तीन में से एक पिस्तौल तो उनकी नजरों से बच ही जायेगा।
फिर अपनी विशेष जैकेट पहन ली।
इस जैकेट में लगे सारे बटन वास्तव में माइक्रो बम हैं।


ठीक छः बजे वह नीचे लॉबी में पहुंच गया।
ली किंग का आदमी मौजूद है।
अमर को देखकर उसने बाहर चलने का संकेत किया और दरवाजे की ओर बढ़ गया।
बाहर एक गाड़ी में ली किंग स्वयं मौजूद था।
आ जाओ।
बुण्डा भी पिछली सीट पर ही बैठ गया।
चलो।
गाड़ी सड़क पर आकर दौड़ने लगी।
तुम्हारे पास कोई हथियार हो तो निकाल दो।
क्या यह जरूरी है?


अगले ही क्षण-
हथियार निकालो।
हमारा इरादा गलत नहीं है। यह सिर्फ सावधानी वश किया जा रहा है।
आलराइट! यह लो।
दूसरे पल-
ऐ...अरे... यह क्या है?
घबराओ मत। यह सिर्फ इसलिए है कि तुम रास्ता न पहचान सको।
बहुत चालाक बन रहे हो सालो। देख लूंगा तुम्हें।
आधे घण्टे तक गाड़ी विभिन्न रास्तों पर दौड़ती रही।
यह जान-बूझकर गाड़ी घुमा रहे हैं, ताकि मैं दूरी का अंदाजा भी न लगा सकूं।


फिर एक पुरानी इमारत के सामने गाड़ी रुकी। अमर को नीचे उतारकर उसके चेहरे से नकाब हटा दी गई।
कहां ले आए हैं मुझे ?
ली किंग ने इमारत के दरवाजे पर दस्तक दी। तुरन्त ही दरवाजा खुल गया।
गुड ईवनिंग बॉस !
ईवनिंग।
आओ अमर।
शुक्र है। इन्होंने मेरी पूरी तलाशी नहीं ली।
भीतर एक हाल में आने के बाद—
अमर। अपने दोनों हाथ ऊपर उठा लो। मेरे आदमी तुम्हारे शरीर की तलाशी लेंगे।
सत्यानाश।
उसे आदेश का पालन करना ही पड़ा।
ली किंग के आदमी टांग पर बंधा पिस्तौल और कलाई का खंजर खोजने में सफल हो गये।


इतने हथियार साथ लाने का मतलब क्या है अमर? शायद तुम्हारी नीयत साफ नहीं थी।
डोंट बी सिली ली किंग। तुम जानते हो कि हमारे पेशे में अपनी हिफाजत के लिए हथियार रखने ही पड़ते हैं।
आलराइट, मैं तुम्हें एजेण्ट वन-वन श्री के पास लिए चल रहा हूं, अगर तुमने कोई गड़बड़ करने की कोशिश की तो मेरे आदमी तुरंत गोली मार देंगे।
ओ.के.!
वह मन ही मन खुश था कि जूते में छुपा हुआ पिस्तौल बच गया था।
उसे इमारत के तहखाने में बने एक कमरे के सामने लाया गया।
दरवाजा खोलो।
गुण्डे ने दरवाजा खोला।
सब भीतर प्रविष्ट हो गये।
देखलो। यही एजेण्ट वन-वन श्री है।
यहां रोशनी बहुत कम है।


हां, बल्ब कम पावर का है। तुम टॉर्च जलाकर अपना संतोष कर लो।
अमर ने टॉर्च जलाई और आगे बढ़कर बिस्तर पर प्रकाश डाला।
हर्षवर्धन ही है।
लेकिन यह पांचों मुझे घेरे खड़े हैं। फिलहाल मैं कोई एक्शन नहीं ले सकता।
देख लिया?
हां!
तो अब धंधे की बात हो जाये।
ओ. के. ली किंग! अब मैं भारत सरकार तक तुम्हारी डिमाण्ड पहुंचा दूंगा।
जवाब कितने समय में मिलेगा?


तीन-चार दिन तो लग ही जायेंगे।
ठीक है, मैं सिर्फ तीन दिन का समय दे सकता हूं। मुझे एक और पार्टी मिल गई है, जो दो करोड़ देने के लिए तैयार है। चौथे दिन मैं एजेण्ट वन-वन थ्री को उनके हवाले कर दूंगा।
ओ.के.! तुम्हें तीन दिन में जवाब मिल जायेगा।
तो अब वापस चलते हैं।
सब दरवाजे की ओर बढ़े।
एक व्यक्ति ने दरवाजा खोला। तभी—
धांय
आह!
खतरा भांपते ही अमर ने पलटकर छलांग लगाई और पीछे वालों से टकराता हुआ बिस्तर पर जाकर गिरा।



और फिर हर्ष को साथ लेकर बेड के दूसरी ओर लुढ़क गया। साथ ही उसने दो धमाके भी सुने थे।
धांय
धांय
फिर कुछ देर के लिए खामोशी छा गई। अमर ने जूते में छुपा हुआ पिस्तौल निकाल लिया और उचक्कर बेड की दूसरी ओर देखा।
पहले मुझे ली किंग से निपट लेना चाहिए। बाहर वाली मुसीबत को बाद में देखूंगा।
उसने ली किंग के सिर का निशाना लेकर फायर किया।
धांय
उफ!
तभी दरवाजे की ओर से भी फायर हुआ।
आह!
धांय



एक बार फिर खामोशी छा गई।
बाहर से गोलियां चलाने वाला कौन हो सकता है?
तभी—
मिस्टर अमर, क्या आप और हर्ष खैरियत से हैं?
ओह! यह तो ली चुंग की आवाज है। यह कहां से आ गई?
ली चुंग! क्या यह तुम हो?
यस मिस्टर अमर! अगर कोई खतरा न हो तो मैं अन्दर आ जाऊं?
आ जाओ। ली किंग और उसके आदमी मर चुके हैं।
ली चुंग भीतर प्रविष्ट हुई।
हर्ष कहां है?
यहां मेरे पास है, लेकिन तुम यहां कैसे पहुंच गई?


मैं आपसे मिलने के लिए होटल गई थी, लेकिन आपको ली किंग की गाड़ी में बैठकर जाते देखा। मुझे शक हुआ कि कहीं वह आपका भी अपहरण करके तो नहीं ले जा रहे थे। इसलिए मैंने गाड़ी का पीछा किया और यहां तक पहुंच गई।
कमाल की लड़की हो तुम! अकेली ही खतरे में कूद पड़ी।
यह बातें करने का समय नहीं है। आप हर्ष को लेकर बाहर चलिए।
अमर ने हर्ष को उठाकर कंधे पर लाद लिया।
चलो।
वह दरवाजे के निकट पहुंचे। तभी निश्चेष्ट पड़े एक गुण्डे के शरीर में हरकत हुई और—
धांय
ली-चुंग फुर्ती से पलटी।
धांय
आह!


हर्ष को गोली लग गई है ली चुंग!
जल्दी ऊपर चलो।
ऊपर हाल में आकर उन्होंने हर्ष को फर्श पर लिटा दिया।
हर्ष... हर्ष... होश में आओ।
हर्ष मर रहा था, लेकिन अन्तिम क्षणों में उसे कुछ देर के लिए होश आया।
अ... आह!
हर्ष! मैं अमर हूं। मेरी ओर देखो। वह फिल्म कहां है हर्ष? प्लीज, कैप्सूल का पता बता दो।
अ... अमर... आ... आंख... मेरी आंख...।
इतना कहकर हर्ष की गर्दन ढुलक गई।
यह तो मर गया।
लेकिन यह अपनी आंख के बारे में कुछ कह रहा था।


अमर के मस्तिष्क में बिजली-सी चमकी और उसने तुरन्त हर्ष की नकली आंख के पपोटे हटाए।
और पत्थर की आंख पर उंगली फेरी। पुतली पर दबाव पड़ते ही—
ओह!
खटर्!
माई गॉड!
आंखनुमा उस डिबिया के भीतर फिल्म का कैप्सूल रखा था। अमर ने कैप्सूल उठाया।
इसे मेरे हवाले कर दो अमर!
ओह! तो मेरा शक ठीक निकला। तुम वह नहीं हो, जो स्वयं को प्रकट करती हो?
हां। मैं भी तुम्हारी ही तरह इस फिल्म की तलाश में थी। इसीलिए मैंने हर्ष से दोस्ती कर ली थी और उसे अपने यहां किरायेदार रखा था। हर्ष को पता नहीं था कि मैं चीनी एजेण्ट हूं। यह...
...मुझ पर बहुत विश्वास करने लगा था और अपने सब राज मुझे बता देता था, लेकिन कम्बख्त यह बात छुपा गया कि फिल्म उसने अपनी आंख में छुपाकर रखी है। खैर, अब फिल्म मिल ही गई है। मुझे विश्वास था कि तुम मुझे फिल्म तक जरूर पहुंचा दोगे, इसलिए तुमसे मिलने के बाद से मैं हर पल तुम्हारी निगरानी करती रही हूं अमर।


तुम सचमुच चालाक हो ली चुंग। मेहनत मैंने की और फल तुम खाना चाहती हो।
यस डियर, अब वह कैप्सूल मेरी ओर उछाल दो।
अमर ने एक क्षण सोचा और फिर कैप्सूल छत की ओर उछाला।
लो।
ली चुंग की नजरों ने कैप्सूल का पीछा किया।
इतना मौका अमर के लिए काफी था। उसने छलांग लगाई और कराटे का खतरनाक वार ली चुंग की गर्दन पर किया।
खटाक्
ली चुंग की गर्दन की हड्डी टूट गई। अमर ने कैप्सूल उठाकर जेब में डाला।
मुझे तुम्हारी मौत का अफसोस है एजेण्ट वन-वन थ्री, लेकिन इस बात की खुशी है कि तुम्हारा और प्रोफेसर का बलिदान बेकार नहीं गया। फिल्म हमें मिल गई है।
सुबह चार बजे की फ्लाइट से अमर वापस भारत के लिए उड़ान भर रहा था।
थैंक्स गॉड। एक बार फिर मैं अपने देश के लिए कुछ करने में सफल हुआ हूं।

समाप्त